राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा मध्य प्रदेश में बेरोजगार इंजीनियरों को दिया गया ऋण

3906. श्री कृष्ण चन्द कछवाय : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में राष्ट्रीयकृत बैंकों की भिन्न-भिन्न शाखाओं में बेरोजगार इंजीनियरों को कितना ऋण दिया है; और

(ख) ऐसे इंजीनियरों की क्या संख्या है जिनके ऋण के लिये आवेदनपत्र अब तक विचाराधीन हैं ?

राजस्व और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रणव कुमार मुखर्जी) : (क) और (ख). बैंक "बेरोजगार इंजीनियरों" को दिये गये अग्रिमों के बारे में पृथक आंकड़े नहीं रखते । आमतौर से, बेरोजगार इंजीनियर छोटे पैमाने के उद्योग, छोटे व्यवसाय और व्यावसायिक तथा स्वयं नियोजक उद्यम जैसे क्षेत्रों में स्वयं-नियोजन उद्यमों के लिये बैंक से सहायता मांगते हैं । मध्य प्रदेश में इन क्षेत्रों को दिये गये सरकारी क्षेत्र के अग्रिमों विषयक आंकड़ों की जून, 1974 और जून, 1975 के अन्त की स्थिति संलग्न विवरण में दी गई है ।

आंकड़े सूचित करने की वर्तमान प्रणाली में, वाणिज्यिक बैंकों के पास पड़े अनिर्णीत आवेदन पत्रों की संख्या सम्बन्धी आंकड़ों का संकलन करने की व्यवस्था नहीं है । फिर भी, सरकारी क्षेत्र के बैंकों को सलाह दी गई है कि 10,000 रुपये से कम ऋण सीमाओं वाले छोटे ऋणों के आवेदन पत्रों को, उनकी प्राप्ति के बाद आठ दिनों की अवधि के भीतर, निपटा देने का प्रयास करें ।

विवरण

मध्य प्रदेश राज्य में छोटे पैमाने के उद्योग, छोटे व्यवसाय और व्यावसायिक तथा स्वयं नियोजित व्यक्तियों को दिये गये सरकारी क्षेत्र के बैंकों के अग्रिम

(राशि लाख रुपयों में)

क्षेत्र	जून, 1974		जून, 1975	
	खातों की संख्या	बकाया राशि	खातों की संख्या	बकाया राशि
छोटे पैमाने के उद्योग*	7672	2436.38	8613	2754.66
व्यावसायिक तथा स्वयं नियोजित व्यक्ति . .	6609	115.03	7450	129.98
छोटे व्यवसाय . .	4976	67.43	7140	84.22

*एककों की संख्या

आंकड़े अनन्तिम हैं ।